



Bunty Sharma



Tahshil kher

Model: Horoscope-Matching

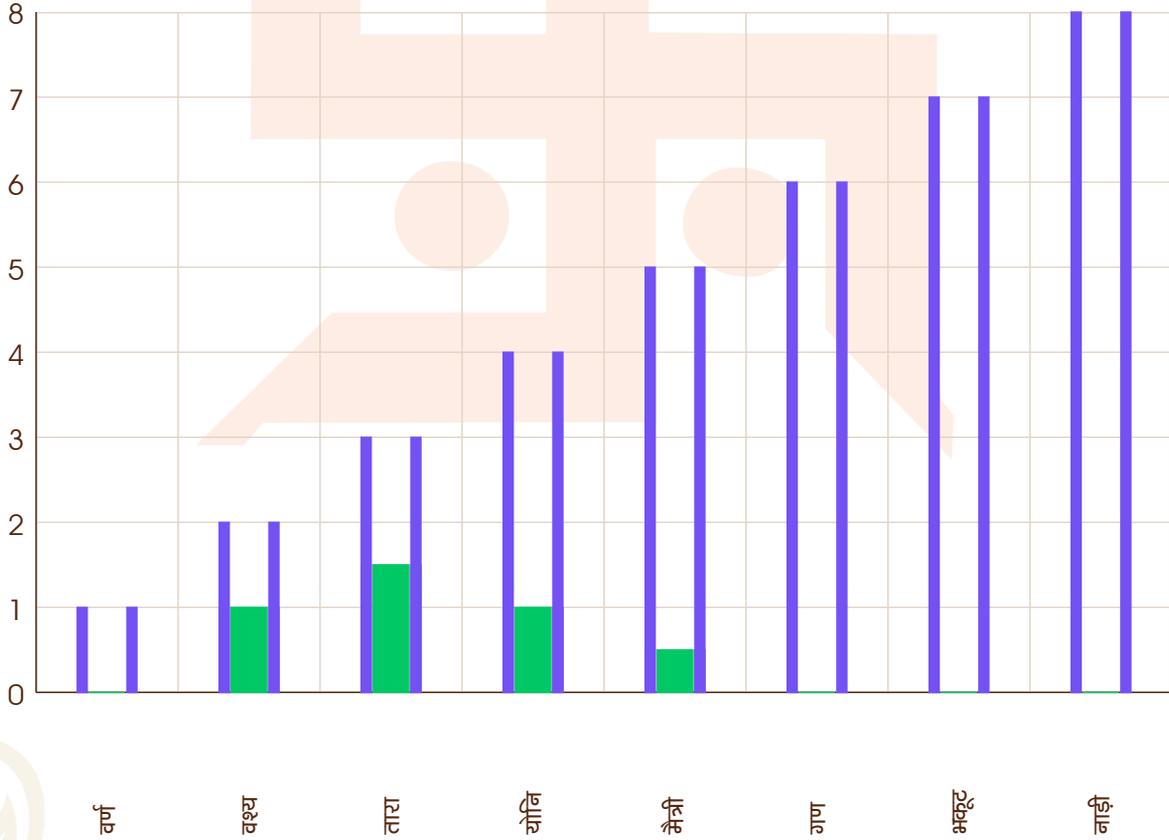
Order No: 121264301

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
28/08/1987 :	जन्म तिथि	: 08/11/1984
शुक्रवार :	दिन	: गुरुवार
घंटे 12:00:00 :	जन्म समय	: 20:40:00 घंटे
घटी 14:23:41 :	जन्म समय(घटी)	: 34:41:37 घटी
India :	देश	: India
Kama :	स्थान	: Aligarh District
24:54:00 उत्तर :	अक्षांश	: 27:50:00 उत्तर
73:39:00 पूर्व :	रेखांश	: 78:10:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:35:24 :	स्थानिक संस्कार	: -00:17:20 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:14:31 :	सूर्योदय	: 06:33:33
18:58:37 :	सूर्यास्त	: 17:28:32
23:41:04 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:38:28
तुला :	लग्न	: मिथुन
शुक्र :	लग्न लग्नाधिपति	: बुध
कन्या :	राशि	: मेष
बुध :	राशि-स्वामी	: मंगल
चित्रा :	नक्षत्र	: भरणी
मंगल :	नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
1 :	चरण	: 3
शुभ :	योग	: व्यतिपात
विष्टि :	करण	: बव
पे-पेशवा :	जन्म नामाक्षर	: ले-लेखा
कन्या :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृश्चिक
वैश्य :	वर्ण	: क्षत्रिय
मानव :	वश्य	: चतुष्पाद
व्याघ्र :	योनि	: गज
राक्षस :	गण	: मनुष्य
मध्य :	नाड़ी	: मध्य
मूषक :	वर्ग	: मृग

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	गज	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	4.00		

कुल : 4 / 36



अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Bunty Sharma का वर्ग मूषक है तथा Tahshil kher का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Bunty Sharma और Tahshil kher का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Bunty Sharma मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Tahshil kher मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Tahshil kher कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Bunty Sharma कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Bunty Sharma तथा Tahshil kher में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Bunty Sharma का वर्ण वैश्य है तथा Tahshil kher का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि Tahshil kher का वर्ण Bunty Sharma के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप Tahshil kher अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। Tahshil kher को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

वश्य

Bunty Sharma का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं Tahshil kher का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Bunty Sharma एवं Tahshil kher दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Tahshil kher अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Bunty Sharma अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

Bunty Sharma की तारा क्षेम तथा Tahshil kher की तारा वध है। Tahshil kher की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह Bunty Sharma एवं Tahshil kher दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Tahshil kher अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

Bunty Sharma की योनि व्याघ्र है तथा Tahshil kher की योनि गज है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी-कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं क्लेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द

की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Bunty Sharma का राशि स्वामी Tahshil kher के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Tahshil kher का राशि स्वामी Bunty Sharma के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Bunty Sharma का गण राक्षस है तथा Tahshil kher का गण मनुष्य है। अर्थात् Tahshil kher का गण Bunty Sharma के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

Bunty Sharma से Tahshil kher की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा Tahshil kher से Bunty Sharma की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। Bunty Sharma एवं Tahshil kher दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभाव के होंगे। Bunty Sharma शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर Tahshil kher बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

Bunty Sharma की नाड़ी मध्य है तथा Tahshil kher की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में

से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Bunty Sharma एवं Tahshil kher का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।



मेलापक फलित

स्वभाव

Bunty Sharma की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या तथा Tahshil kher की राशि अग्नितत्व युक्त मेष राशि है। पृथ्वी तत्व एवं अग्नि तत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण Bunty Sharma और Tahshil kher के स्वाभाविक गुणों में अंतर रहेगा जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता का अभाव रहेगा। अतः Bunty Sharma और Tahshil kher का मिलान उत्तम नहीं रहेगा।

Bunty Sharma की राशि का स्वामी बुध तथा Tahshil kher की राशि का स्वामी मंगल परस्पर शत्रु तथा सम भाव में पड़ते हैं। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति उत्तम नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से Bunty Sharma और Tahshil kher एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे फलतः परस्पर विवाद विरोध एवं वैमनस्य का भाव विद्यमान रहेगा। साथ ही Tahshil kher की उग्रप्रवृत्ति भी ऐसे वातावरण को बनाने में प्रमुख रहेगी जिससे वैवाहिक जीवन में कटुता का वातावरण रहेगा।

Bunty Sharma और Tahshil kher की जन्म राशियां परस्पर अष्टम एवं षष्ठ भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना जाता है। इसके दुष्प्रभाव से वैवाहिक सुख में न्यूनता रहेगी तथा परस्पर आलोचना एवं कमियों पर विशेष ध्यान देकर पारिवारिक अशांति की बहुलता होगी। साथ ही परस्पर संबंधों में तनाव एवं कटुता की प्रबलता से अलगाव तक की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

Bunty Sharma का वश्य मानव तथा Tahshil kher का वश्य चतुष्पद है। मानव एवं चतुष्पद के मध्य स्वाभाविक शत्रुता एवं विषमता का भाव रहता है। अतः इसके प्रभाव से आपकी अभिरुचियों में असमानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता रहेगी तथा एक दूसरे को काम संबंधों में प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे जिससे वैवाहिक जीवन में सुख की न्यूनता रहेगी।

Bunty Sharma का वर्ण वैश्य एवं Tahshil kher का वर्ण क्षत्रिय है। अतः इनकी कार्य क्षमताओं में भी असमानता होगी। जहां Bunty Sharma वणिक बुद्धि के व्यक्ति होंगे तथा धनार्जन में नित्य तत्पर रहेंगे वहीं Tahshil kher पराक्रमी एवं साहसिक कार्यों को सम्पन्न करने की इच्छुक रहेंगे।

धन

Bunty Sharma और Tahshil kher दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Bunty Sharma और Tahshil kher दोनों मध्य नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं अतः नाड़ी दोष से ये प्रभावित होंगे। इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक दुर्बलता का आभास होगा। साथ ही Bunty Sharma के लिए मंगल भी अशुभ रहेगा जिससे वे रक्त या पित्त संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे तथा हृदय संबंधी परेशानी भी होगी इसके अतिरिक्त धातु या गुप्त रोगों की संभावना भी हो सकती है। इससे परस्पर संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा अतः मिलान के लिए यत्नपूर्वक इनकी उपेक्षा करनी चाहिए। तथापि शुभ फलों की प्राप्ति के लिए Bunty Sharma को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा तथा मंगलवार का उपवास करना श्रेष्ठ सिद्ध हो सकता है।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Bunty Sharma और Tahshil kher का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Bunty Sharma और Tahshil kher के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Tahshil kher के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Tahshil kher को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Tahshil kher को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Bunty Sharma और Tahshil kher सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Bunty Sharma और Tahshil kher का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Tahshil kher के सास से प्रायः अच्छे संबंध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Tahshil kher के लिए अनुकरणीय हो सकते हैं। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं

रहेंगे।

Tahshil kher अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Tahshil kher के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Bunty Sharma की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Bunty Sharma सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Bunty Sharma ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Bunty Sharma के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।